



# एग्री आर्टिकल्स

(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)

वर्ष: 03, अंक: 04 (जुलाई-अगस्त, 2023)

[www.agriarticles.com](http://www.agriarticles.com) पर ऑनलाइन उपलब्ध

© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एन.: 2582-9882

## यूरिया से अधिकतम लाभ कैसे प्राप्त करें?

(\*मेघा विश्वकर्मा<sup>1</sup> एवं गोपाल सिंह टैगोर<sup>2</sup>)

<sup>1</sup>सहायक प्राध्यापक, श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर (म.प्र.)

<sup>2</sup>वैज्ञानिक, जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

\*संवादी लेखक का ईमेल पता: [meghavishwakarma007@gmail.com](mailto:meghavishwakarma007@gmail.com)

सभी फसलों में यूरिया का प्रयोग होता है, लेकिन हमें यूरिया से इतना लाभ नहीं मिल पता है जितना मिलना चाहिए। नाइट्रोजन की उपयोग क्षमता 50-60% तक होती है मतलब 40-50% की नाइट्रोजन की हानि हो जाती है। यूरिया पानी में अधिक घुलनशील होने के कारण पानी में घुलकर नीचे चली जाती है या पानी यदि खेत में ज्यादा है तो गैस बन वातावरण में चली जाती है इसके अलावा खरपतवार भी इनका प्रयोग मुख्यता फसलों की तुलना में ज्यादा जल्दी कर लेते हैं।

- तो हम यूरिया का प्रयोग कैसे करे की अधिकतम लाभ मिले इसके लिए नीचे कुछ बिंदु दिए गए हैं: सबसे पहली बात ये है की क्या यूरिया हम गणना करके दे रहे हैं अलग-अलग फसल के लिए अलग-अलग नाइट्रोजन की आवश्यकता पड़ती है जैसे गन्ने की फसल के लिए ज्यादा और मक्का, गेहू के लिए सामान्य तथा दलहनी फसलों के लिए कम आवश्यकता पड़ती है। तो हम कितनी यूरिया देनी चाहिए ये निर्भर करता है की फसल की आवश्यकता कितनी है। इसकी गणना का सीधा सा ये तरीका है की मान लीजिये की किसी फसल को 100 किलो नाइट्रोजन की आवश्यकता है तो नाइट्रोजन को 2.17 से गुना कर दें, जिससे यूरिया की मात्रा निकल जाएगी जो की 217 किलो है। यूरिया की मात्रा गणना करके ही डालें, क्योंकि यदि बिना गणना के डालेंगे तो अधिक मात्रा डालने पर खेती का खर्चा अधिक होगा और यदि कम मात्रा डालेंगे तो फसल की आवश्यकता पूरी नहीं होगी। इसलिए हमेशा गणना करके ही डालें जिसके लिए हमें पता होना चाहिए की किस फसल के लिए कितनी मात्रा की आवश्यकता है और मृदा में उपलब्ध नाइट्रोजन की मात्रा कितनी है जो की पता लगाया जा सकता है मृदा के परीक्षण से।
- पौधों की किस अवस्था में कितनी मात्रा दें? बुआई के समय यूरिया की मात्रा कम देनी चाहिए कारण यह है की जब बीज जमीन में जमता है और उसमें शुरुआत की 1-2 पत्तियां आती हैं इस समय जड़े इतनी परिपक्व नहीं होती की पोषक तत्वों को ग्रहण कर सके तो पौधा अपना भोजन बीज से ही प्राप्त करते हैं। इस समय पौधा यूरिया का अच्छी तरह से उपयोग नहीं कर पता है, लेकिन उसके साथ उगने वाली घास अधिक बढ़वार करती है और घास के द्वारा यूरिया उपयोग कर ली जाती है या यूरिया पानी में घुलकर नीचे चली जाती है इसलिए शुरुआत में बुआई के समय 20-25% से अधिक नाइट्रोजन नहीं देना चाहिए। नाइट्रोजन का कार्य है तने की लम्बाई बढ़ाना, पत्ती, फल, फूल आदि बनाना जैसे-जैसे पत्तियों का विकास हो 20-25 दिन बाद फिर हमें 25% यूरिया की दूसरी खुराक डाल देनी चाहिए। यदि हम ज्यादा यूरिया डाल देंगे तो जड़े अभी छोटी है और यूरिया ज्यादा है तो निश्चित रूप

से यूरिया जड़े नहीं ले पाएंगी क्योंकि यूरिया जड़ों के माध्यम से ही ली जाएगी अतः हम नुकसान कम करने के लिए 25-25% करके पूरे फसल काल में 4 बार में यूरिया डालनी चाहिए लेकिन फूल एवं बाली आने से पहले सारी यूरिया का प्रयोग कर लें।

- **खेत में नमी कितनी होनी चाहिए?** यूरिया पानी में घुलती है मतलब उसे पानी चाहिए घुलने के लिए यदि जड़ क्षेत्र में पानी नहीं होगा तो पौधों को कैसे प्राप्त होगी कोई भी पोषक तत्व पौधों को घुलने पर ही प्राप्त होता है। पानी का कार्य मृदा में पोषक तत्वों को घोलने का होता है जिसके लिए खेत में नमी अच्छी होनी चाहिए। बुआई के समय तो नमी अच्छी होनी चाहिए, क्योंकि यूरिया आपने पौधों के पास डाली है जड़ों पास जाने के लिए पहले उसे घुलनशील अवस्था में लाना होगा। यूरिया डालने के बाद हलकी सिंचाई करनी चाइये ताकि वह पानी में घुलकर नीचे जड़ तक आ जाये और इतना अधिक भी न हो की जड़ क्षेत्र से नीचे चली जाये या सिंचाई के 2-3 बाद यूरिया डालें क्योंकि खेत में नमी बनी रहती है।